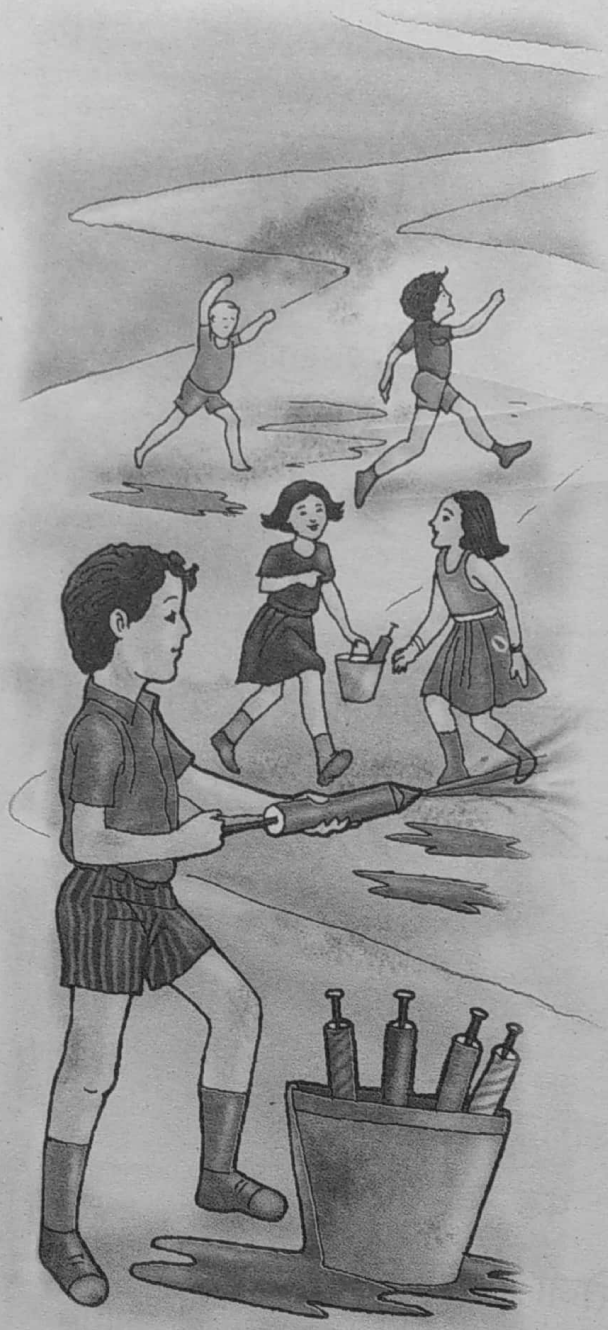

आ गया होली का त्योहार।

अबीर गुलाल उड़ाओ रे
झूमो नाचो गाओ रे।

लेकर नन्हीं सी पिचकारी
लुटाओ सब पर अपना प्यार

किसी का मन न दुखाओ रे
अबीर गुलाल उड़ाओ रे।

वैर-भाव को मारो गोली,
पर्व प्रीति का है यह होली

सभी को गले लगाओ रे
अबीर गुलाल उड़ाओ रे।

एक भाव हो, एक ढंग हो
खोलकर अपने मन का द्वार

मिलन-त्योहार मनाओ रे
अबीर गुलाल उड़ाओ रे।

—विनोद रस्तोगी

Scanned with CamScanner